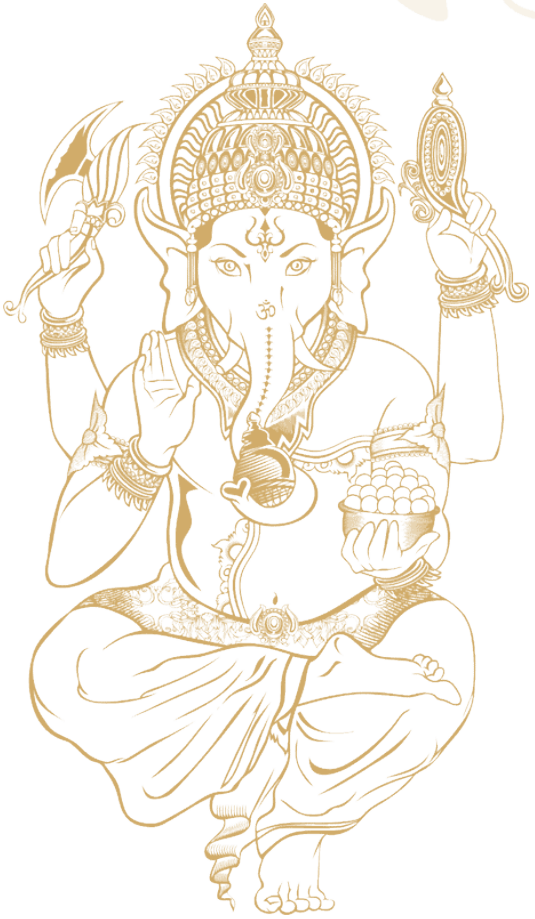

Mr.

04 Feb 1957

04:00 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121166807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/02/1957**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	52:10:05 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:39:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:55 घंटे
साम्पातिक काल	12:34:30 घंटे
सूर्योदय	07:07:57 घंटे
सूर्यास्त	18:01:33 घंटे
दिनमान	10:53:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:35:38 मकर
लग्न के अंश	02:15:33 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:15:33	325:06:46	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मक	21:35:38	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	05:38:15	12:00:49	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	10:36:36	00:36:48	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			धनु	26:18:29	01:03:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		कन्या	07:59:27	00:03:30	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	04:21:12	01:15:01	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	19:10:51	00:04:27	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		वृश्चि	01:45:45	00:09:21	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	01:45:45	00:09:21	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		कर्क	11:15:33	00:02:34	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	---
नेप	व		तुला	09:20:13	00:00:03	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
प्लूटो	व		सिंह	06:18:05	00:01:27	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
दशम भाव			कन्या	16:08:04	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:15:44

लग्न-चलित

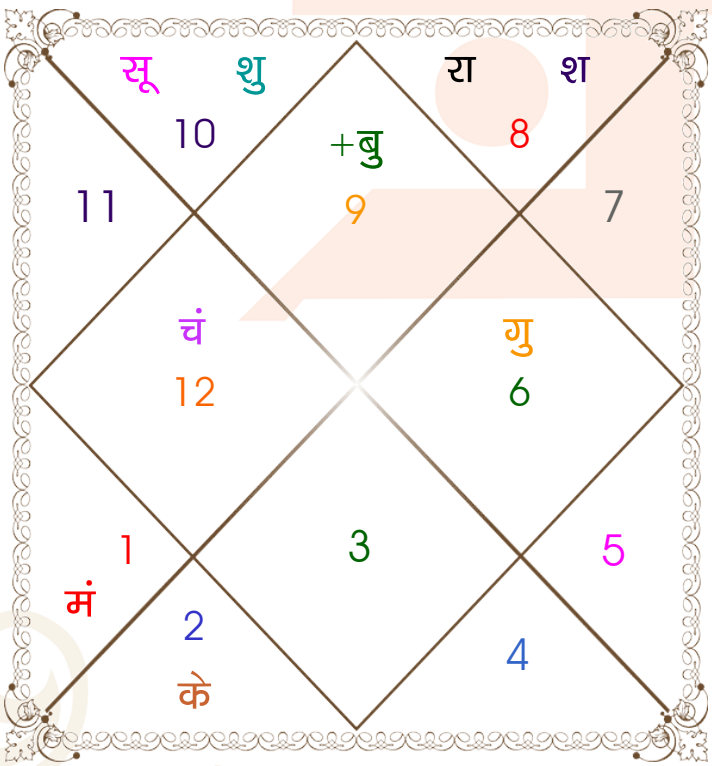

चन्द्र कुंडली

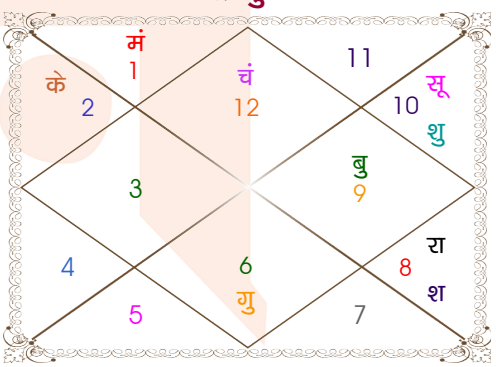

नवमांश कुंडली

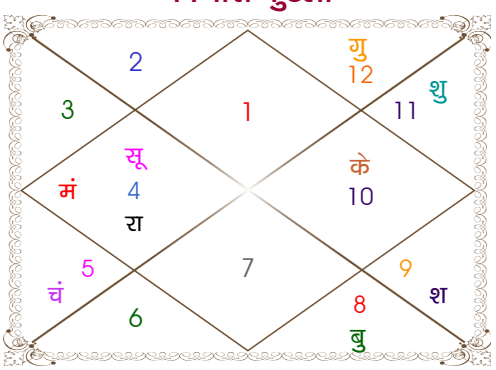

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 8 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/02/1957		23/10/1972		23/10/1989		23/10/1996		23/10/2016	
23/10/1972		23/10/1989		23/10/1996		23/10/2016		24/10/2022	
	04/02/1957	बुध	22/03/1975	केतु	22/03/1990	शुक्र	23/02/2000	सूर्य	10/02/2017
बुध	06/07/1959	केतु	18/03/1976	शुक्र	22/05/1991	सूर्य	22/02/2001	चंद्र	11/08/2017
केतु	14/08/1960	शुक्र	17/01/1979	सूर्य	26/09/1991	चंद्र	24/10/2002	मंगल	17/12/2017
शुक्र	15/10/1963	सूर्य	23/11/1979	चंद्र	27/04/1992	मंगल	24/12/2003	राहु	11/11/2018
सूर्य	26/09/1964	चंद्र	24/04/1981	मंगल	23/09/1992	राहु	24/12/2006	गुरु	30/08/2019
चंद्र	27/04/1966	मंगल	21/04/1982	राहु	11/10/1993	गुरु	24/08/2009	शनि	11/08/2020
मंगल	06/06/1967	राहु	07/11/1984	गुरु	17/09/1994	शनि	23/10/2012	बुध	18/06/2021
राहु	12/04/1970	गुरु	13/02/1987	शनि	27/10/1995	बुध	24/08/2015	केतु	23/10/2021
गुरु	23/10/1972	शनि	23/10/1989	बुध	23/10/1996	केतु	23/10/2016	शुक्र	24/10/2022

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/10/2022		23/10/2032		24/10/2039		23/10/2057		23/10/2073	
23/10/2032		24/10/2039		23/10/2057		23/10/2073		00/00/0000	
चंद्र	24/08/2023	मंगल	21/03/2033	राहु	06/07/2042	गुरु	12/12/2059	शनि	26/10/2076
मंगल	24/03/2024	राहु	09/04/2034	गुरु	29/11/2044	शनि	24/06/2062	बुध	04/02/2077
राहु	23/09/2025	गुरु	16/03/2035	शनि	06/10/2047	बुध	29/09/2064		00/00/0000
गुरु	23/01/2027	शनि	24/04/2036	बुध	24/04/2050	केतु	05/09/2065		00/00/0000
शनि	23/08/2028	बुध	21/04/2037	केतु	13/05/2051	शुक्र	06/05/2068		00/00/0000
बुध	23/01/2030	केतु	17/09/2037	शुक्र	12/05/2054	सूर्य	22/02/2069		00/00/0000
केतु	24/08/2030	शुक्र	17/11/2038	सूर्य	06/04/2055	चंद्र	24/06/2070		00/00/0000
शुक्र	24/04/2032	सूर्य	25/03/2039	चंद्र	05/10/2056	मंगल	31/05/2071		00/00/0000
सूर्य	23/10/2032	चंद्र	24/10/2039	मंगल	23/10/2057	राहु	23/10/2073		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।